Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Ponzi Scheme.

श्री सी.पी. जोशी (चित्तौड़गढ़): अध्यक्ष महोदय, मैं इस देश के उन निवेशकों के बारे में बात करना चाहता हूं जो अपनी जीवनभर की कमाई को सहेजकर, एक-एक पैसा इकट्ठा करते हैं । वह आम आदमी सोचता है कि इससे मैं अपने जीवन में कभी मकान बनाऊंगा, अपने बच्चों को पढ़ाऊंगा, अपने बच्चों की शादी कराऊंगा, लेकिन वह आकर्षक योजनाओं के आकर्षण में आकर कंपनियों में अपना पैसा इनवेस्ट कर देता है । जब उसको जरूरत पड़ती है तो उन कंपनियों में या तो ताले लगे मिलते हैं या फिर उस कंपनी ने अपना पैसा किसी अन्य जगह पर इन्वेस्ट कर दिया होता है या किसी घोटाले में लिप्त हो चुकी होती है ।

चित्तौड़गढ़ संसदीय क्षेत्र में लगभग एक लाख ऐसे निवेशक होंगे, उन लोगों ने लगभग 100 करोड़ रुपये का निवेश पीएसीएल नाम की एक कंपनी में कर दिया । आज वे लोग दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं । लोढा कमेटी द्वारा अपना निर्णय दिए हुए कई महीने हो चुके हैं, लेकिन उस कंपनी ने अभी तक उन लोगों का पैसा नहीं लौटाया है । ऐसे ही अभी कुछ दिनों पहले आदर्श कोऑपरेटिव सोसाइटी में लाखों लोगों ने अपने खाते खुलवा लिए, पैसे निवेश कर दिए । उस कंपनी ने अपने पैसे का निवेश दूसरी कंपनी में, शैल कंपनी में कर दिया । आज लोग जब पैसा मांगने जाते हैं तो उस कंपनी के ऑफिस में या तो ताला लगा होता है या कंपनी किसी अन्य जगह पर घोटाले में फंस गई होती है ।

आपके माध्यम से, सरकार से मेरी मांग है कि ऐसी कंपनियों के ऊपर कठोर कार्रवाई की जाए । कई लोगों ने अपनी पेंशन का पैसा, अपने जीवन भर की कमाई उन कंपनियों में निवेश कर दी । ऐसी कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें और उन निवेशकों को तुरंत पैसा लौटाने की कार्रवाई करें । यही मेरी, आपके माध्यम से, सरकार से मांग है । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री राहुल कस्वां, श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया, श्री सुमेधानन्द सरस्वती, श्री अजय कुमार, श्री अर्जुन लाल मीणा एवं श्री उदय प्रताप सिंह को श्री सी.पी. जोशी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।